

से युक्त माना जाता है 3. इच्छा के विपर्यय के पाँच प्रकार में से एक, जीने की इच्छा के साथ मरण का भय 4. योग. पाँच क्लेशों में से एक मृत्यु-भय।

अंधनाल स्त्री. (तत्.) प्राणि. आहारनाल से निकलने वाली एक नली के समान संरचना जिसका सिरा बंद होता है अंधांत्र, (सीकम) टि. स्तनधारियों में यह छोटी आँत एवं बड़ी आँत के बीच से निकलती है, यह 'अंधनाल' मांसाहारी प्राणियों की अपेक्षा शाकाहारी प्राणियों में बहुत लंबी होती है, कुछ मांसाहारी प्राणियों में तो यह होती ही नहीं।

अंधपरंपरा स्त्री. (तत्.) वह परंपरा जिसका अनुसरण बिना सोचे विचारे किया जाए, विवेक का प्रयोग किए बिना 'बाबा वाक्य प्रमाणम्' का अनुसरण, प्राचीन प्रथाओं का अंधानुकरण।

अंधभक्त पुं. (तत्.) पूर्ण श्रद्धावान भक्त जो श्रद्धास्पद के विरुद्ध किसी भी तर्क को सुनने तक को तैयार न हो।

अंधमति वि. (तत्.) बिना सोचे समझे कार्य करने वाला, विवेक-विहीन।

अंधविश्वास पुं. (तत्.) 1. ज्ञान तथा तर्क की कसौटी पर कसे बिना किसी वस्तु, परिघटना, स्थिति, विचार आदि पर हुआ विश्वास 2. आँखें बंद कर किसी बात को ज्यों-का-त्यों मान लेना।

अंधविश्वासी वि. (तत्.) दर्श. अंधविश्वास करने वाला, बिना सोचे समझे विश्वास करने वाला, बिना परीक्षा किए श्रद्धा रखने वाला, विवेकशून्य धारण करने वाला।

अंधव्यवस्था स्त्री. (तत्.) विवेक का प्रयोग किए बिना की गई व्यवस्था, दुर्व्यवस्था, कुप्रबंध।

अंधश्रद्धा स्त्री. (तत्.) बिना सोच-विचार के की जाने वाली श्रद्धा, परीक्षा किए बिना की जाने वाली श्रद्धा।

अंधा वि.पुं. (तद्.) 1. जिसकी नेत्रज्योति बुझ गई हो, नेत्रहीन, दृष्टिहीन ना.अर्थ. सूरदास, प्रजाचक्षु 2. मूर्ख, नासमझ मुहा. अंधा बनना- न देखने

का बहाना करना; अंधा बनाना- मूर्ख बना कर किसी को ठगना; अंधों का राजा- विवेकहीन नेता; अंधे के आगे रोए, अपना दीदा खोए- अविवेकी व्यक्ति की चिरौरी करने से उलटे अपना अहित होता है; अंधों में काना राजा-गुणहीन व्यक्तियों की तुलना में कम अल्पगुणी होना।

अंधांत्र पुं. (तत्.) आयु. बड़ी आंत के प्रारंभ में स्थित एक थैली दे. अंधनाल।

अंधाकुप्प पुं. (तद्.) अँधेरा, गहन अंधकार।

अंधागुप्प पुं. (तद्.) दे. अंधा कुप्प।

अंधाधुंध क्रि.वि. (तत्.) बगैर देखे, बिना सोचे-विचारे तथा तेजी से, बेतहाशा जैसे- पुलिस ने भीड़ पर अंधाधुंध गोलियाँ चलाई।

अंधाधुंधी स्त्री. (तत्.+देश.) 1. गहन अंधकार, घना अँधेरा 2. घोर अव्यवस्था जिसमें क्रम, योग्यता आदि पर ध्यान न दिया गया हो 3. अंधेरगर्दी 4. घोर अन्याय की स्थिति 5. आधिक्य, बहुत अधिकता।

अंधानुकरण पुं. (तत्.) बिना देखे भाले, बिना सोचे-समझे होने या किया जाने वाला अनुकरण, एक अंधे की तरह ही अन्य अंधों का वैसा कार्य-व्यवहार।

अंधानुयायिता स्त्री. (तत्.) 1. बिना सोच-विचार किए अनुकरण की प्रवृत्ति, अंधानुकरण।

अंधानुयायी वि. (तत्.) अंधानुसरण करने वाला, बिना सोचे-समझे किसी की बात पर चलने वाला, अंधानुकरण करने वाला।

अंधानुरक्त वि./पुं. (तत्.) बिना ठीक से विचार किए अनुराग करने वाला 2. अंधभक्त, अंध श्रद्धालु।

अंधानुरक्ति स्त्री. (तत्.) 1. बिना विचारे होने वाली आसक्ति 2. अंधश्रद्धा 3. विवेकशून्य भक्ति।

अंधानुसरण पुं. (तत्.) बिना सोच-विचार के किसी के पीछे चलना।

अंधापन वि. (तत्.) दृष्टिहीनता पर्या. अंधता।